



भारत के राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—कांड 3—उप-कांड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं 386] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 23, 1980/भाद्र 1, 1902
No. 386] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1980/BHADRA 1, 1902

इस भाग में वित्त एवं संबद्ध दी जाती है जिससे कि यह भलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to your Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1980

कांडा. 634 (ख) / 18 ए एमा. 1 भा. अर ए/80.—मेसर्स शिवराज काइन आर्ट लियो बड़से, नगरपालक (जिसे इसमें दुर्लभ प्रयोगिक उपकरण कहा गया है) प्रनूचित उद्योग अधिकारी, "मूर्ख जिसमें लियो मूर्ख उद्योग भी समिलित है" में लगा हुआ है और उक्त ग्रोद्योगिक उपकरण के सम्बद्ध में कोर्टीय फिराहाए का अपने कड़े में फस्तावेजी और अस्य साध्य से यह समाप्त हो गया है कि उसे कम से कम तीन मास की अवधि के लिए बंद कर दिया गया है और ऐसे बंद किए जाने से सम्बद्ध अनुचित उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और यह कि उक्त ग्रोद्योगिक उपकरण की वित्तीय व्यवस्था और उपकरण के संबंध और समीनरी की स्थिति ऐसी है कि उपकरण को पुनः बांधू किया जा सकता है और यह कि इस प्रकार इसे पुनः बांधू करना साधारण अनुत्तर के लिए आवश्यक है;

“अस्ति कोर्टीय भरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की भारत 18 कक्ष की उपशासा (1) के बाह्य (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए बेवलपमेन्ट कार्पोरेशन आफ विदर्भ लिमिटेड, नागपुर को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत घटित कहा गया है) निम्नलिखित निवेशों और जर्तों के अवैत रहते हुए उक्त घोषणाप्रक्रिया का सम्मूर्ख प्रबन्धन-प्रावृत्त करने के लिए प्राधिकृत करती है, अधीतः—

- (1) प्राधिकृत घटित केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी लिए गए सभी निवेशों का पालन करेगा,
- (2) प्राधिकृत घटित इस भावेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए पद भारण करेगा;
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझती है तो, प्राधिकृत घटित की नियुक्ति को पहले भी समाप्त कर सकेगी।

2. यह भावेश इसके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा।

[फा० स० 2(15)/80-डी० पू० पृ०]
जी० डी० रामकृष्ण, भारत सर्विज

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 23rd August, 1980

S.O. 634(E)/18AA/IDRA/80.—Whereas Meers Shivraj Fine Art Litho Works, Nagpur (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) is engaged in a scheduled industry, namely, "printing including litho printing industry";

And, whereas, from the documentary and other evidence in its possession, the Central Government is satisfied, in relation to the said industrial undertaking, that it has been closed for a period of not less than three months and such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry and that the financial condition of the said industrial undertaking and the condition of the plant and machinery of the undertaking are such that it is possible to re-start the undertaking and that such re-starting is necessary in the interests of the general public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Development Corporation of Vidarbha Limited, Nagpur, (hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government;
- (2) the authorised person shall hold office for a period of three years from the date of publication of this Order in the Official Gazette;
- (3) the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers it necessary, to do so.

2. This Order shall have effect for a period of three years from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 2(15)/80-CUS]
G. V. RAMAKRISHNA, Additional Secy.